COPYRIGHT RESERVED

2025

(Session : 2022-26)

Time : 3 hours

Full Marks : 75

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

The figures in the margin indicate full marks.
उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं ।

Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों खण्डों से उत्तर दें ।

Group – A

खण्ड – अ

(Compulsory)

(अनिवार्य)

1. अति लघु-उत्तरीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखें : 1×10 = 10

(क) द्यु-स्थानीय प्रधान देवता है :

(i) इन्द्र

(ii) मरुत्

(iii) अग्नि

(iv) सविता

(ख) सूर्य सूक्त किस वेद का है ?

(i) ऋग्वेद (ii) यजुर्वेद

(iii) सामवेद (iv) अथर्ववेद

(ग) वेद के कितने भाग हैं ?

(i) १ (ii) २

(iii) ४ (iv) ८

(घ) पाणिनि के अनुसार स्वर कितने है ?

(i) २० (ii) ३०

(iii) २१ (iv) १५

(ङ) स्पर्श वर्ण कितने हैं ?

(i) २५ (ii) १०

(iii) २० (iv) ३२

(च) यम वर्ण कितने है ?

(i) ३ (ii) २

(iii) ४ (iv) ६

(छ) निरुक्त कितने काण्डों में विभक्त हैं ?

(i) ३ (ii) ६

(iii) २ (iv) ४

(ज) निरुक्त में कितने अध्याय हैं ?

(i) ६ (ii) ५

(iii) २ (iv) १०

(झ) वेद पुरुष में निरुक्त का विधान किस अंग के रूप में किया गया है ?

(i) श्रोत्र (ii) नेत्र

(iii) नासिका (iv) पैर

(ञ) मन्द स्वर को कौन उत्पन्न करता है ?

(i) उरसि (ii) कण्ठः

(iii) गायत्रम् (iv) मारुतः

2. निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ लिखें : 5

(क) आचार्य

(ख) निघण्टु

(ग) जातवेदस्

(घ) उषस्

(ङ) गो

अथवा

सूर्य सूक्त का प्रथम मन्त्र लिखें ।

Group – B

खण्ड – ब

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दें : 15×4 = 60

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या करें :

(क) अहन्नहिं पर्वते शिश्रियाणं
त्वष्टास्मै वज्रं स्वर्यं ततक्ष ।
वाश्राइव धेनवः स्यन्दमाना
अञ्जः समुद्रमव जग्मुरापः ।।

(ख) सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात् ।
स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम् ।।

(ग) चित्रं देवानामुदगादनीकं
चक्षुर्मित्रस्य वरुणस्याग्नेः
आप्रा द्यावापृथिवी अन्तरिक्षं
सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च ।।

(घ) नासदासीन्नो सदासीत्तदानीं
नासीद्रजो नो व्योमा परो यत् ।
किमावरीवः कुह कस्य शर्म्-
न्नम्भः किमासीद्गहनं गभीरम् ।।

(ङ) इन्द्रस्य नु वीर्याणि प्र वोचं
यानि चकार प्रथमानि वज्री ।
अहन्नहिमन्वपस्ततर्द
प्र वक्षणा अभिनत्पर्वतानाम् ।।

4. निरुक्त से क्या अभिप्राय है ? इसके स्वरूप तथा महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

5. वर्धते तथा अपक्षीयते भावविकारों को परिभाषित कीजिए ।

6. आख्यात पद की व्याख्या प्रस्तुत कीजिए ।

7. व्याकरणशास्त्र तथा निरूक्त के अन्तःसम्बन्ध को परिभाषित कीजिए ।

8. निरुक्त के अनुसार षड् भावविकार क्या है ?